

संगीत - गायन में स्नातक(बी0ए0)				
उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के प्राचीन काल, रागों के प्रकार, संगीत सम्बन्धी निबंध से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार गायन के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।				
चतुर्थ सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम				
क्र० सं०	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	हिंदुस्तानी संगीत सिद्धांत – गायन एवं प्रयोगात्मक	BAMV(N)-202	100	4
प्रथम खण्ड	हिंदुस्तानी संगीत सिद्धांत – गायन		50	2
	इकाई 1- भारतीय संगीत का इतिहास - प्राचीन काल।			
	इकाई 2- नाद, ग्राम, मूर्च्छना, जाति गायन, निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्धराग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांगवादि राग, उतरांगवादि राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग।			
	इकाई 3- संगीतज्ञों का जीवन परिचय (पं० एस० एन० रातनजंकर, उ० बड़े गुलाम अली खाँ एवं विदुषी गिरिजा देवी)।			
	इकाई 4- संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 5- पाठ्यक्रम के रागों देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें विलम्बित ख्याल एवं मध्यलय ख्याल को तानों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम के रागों देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग में ध्रुपद, दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7- पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठ्यक्रम की तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	प्रयोगात्मक		50	2
	इकाई 8- राग देश एवं शुद्ध कल्याण का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 9- राग देश एवं शुद्ध कल्याण में विलम्बित एवं मध्यलय ख्याल, आलाप एवं तानों सहित।			
	इकाई 10- राग शुद्ध सारंग का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 11- राग शुद्ध सारंग में मध्यलय ख्याल, आलाप एवं तानों सहित।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के रागों देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग में से किसी एक में ध्रुपद दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित।			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम के तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल की पढन्त।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम के तालों आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग- देश, शुद्ध कल्याण एवं शुद्ध सारंग		ताल – आड़ाचारताल एवं गजझंपा ताल		
नोट- पूर्व सेमेस्ट्रों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति				